Date __/__/__

आधुनिक भूगोल के विकास मे हरबर्टसन के योगदान का व्याख्या कीजिए

ए०जे० हरबर्टसन (1865-1915 AD)

ग्रेट ब्रिटेन मे भूगोल को व्यवहारिक स्तर पर सुदृढ़ अधार प्रदान करने मे हरबर्टसन का योगदान उल्लेखनीय है। अपने संक्षिप्त जीवनकाल मे हरबर्टसन ने ब्रिटेन मे विद्यालयो के उपयोग मे आने वाली कई पुस्तके लिखी सैद्धान्तिक स्तर पर भूगोल मे प्राकृतिक एवं मानवकृत तत्वो के अभिन्न सम्बन्ध की व्याख्या पर जोर दिया तथा सर्वप्रथम विश्व के प्राकृतिक प्रदेशों को सीमांकन करके भूगोल मे प्रदेश निरूपण की संकल्पना का श्री प्रारम्भ किया

प्रमुख कृतिया —

① मानव तथा उसके कार्य : मानव भूगोल का परिचय (1899)

② सीनियर ज्योग्राफी (1907)

इन पाठ्य पुस्तको के अतिरिक्त 'हरबर्टसन' ने अपने शिष्य 'होवार्थ' के सह-सम्पादकत्व मे छः खण्डो मे Oxford survey of British Empire 1914 ई० मे प्रकाशित की

संकल्पनाएँ — ~~हरबर्ट~~ हरबर्टसन की व्याख्या उनके शिष्य के प्राकृतिक प्रदेशों के सीमांकन से मिली वे प्रथम भूगोलवेत्ता थे जिन्होंने विश्वस्तर पर प्रदेशीकरण का प्रयास किया ब्रिटेन मे बीसवीं शताब्दी मे प्रदेश की संकल्पना का प्रसार इसी प्रदेशीकरण के अधार पर हुआ

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Page No.

हरबर्टसन की (प्राकृतिक प्रदेश) की संकल्पना उनके भूगोल की संकल्पना को प्रतिबिम्बत करती है।
हरबर्टसन के अनुसार — भूगोल प्राकृतिक तथा मानवकृत वातावरण के क्रमिक स्तर अथवा पदानुक्रम का अध्ययन है।
प्रदेश की संकल्पना — हरबर्टसन भूगोल में प्रदेश की संकल्पना की स्थापना हेतु विख्यात है। 1905 से 1920 तक इनके प्रदेश की संकल्पना सम्बन्धी विचार विश्व में छाये रहे — हरबर्टसन के अनुसार — प्रदेश एक जैविक इकाई है। प्रदेश पृथ्वी की सतह पर पाये जाने वाले भौतिक एवं जैविक तत्वों का संगठन से बनी एक जटिल इकाई होती है। जैसे-जैसे — प्रदेश का विस्तार बढ़ता जाता है जटिलता भी बढ़ती जाती है। उनके अनुसार उच्चावच - जलवायु एवं वनस्पति प्रदेशों की विभाजन के प्रमुख आधार है। इसके साथ मिट्टी की संरचना एवं विशेषताओं का ध्यान भी रखा जाता है।
हरबर्टसन द्वारा प्रस्तुत वृहद प्रदेशीक प्रकृतिक निम्न

(1) ध्रुवीय प्रदेश — 1- निम्न स्थल (टुण्ड्रा)
2- उच्च भूमि (ग्रीनलैण्ड)

(2) शीत-शीतोष्ण प्रदेश — 1→ पश्चिमी तटीय प्रदेश (पश्चिमी यूरोपीय)
~~2→ पूर्वी तटीय प्रदेश~~
2→ पूर्वी तटीय (सैण्ट लारेंस)
3→ अन्त: निम्नभूमि (साइबेरिया)
4→ अन्त: उच्च भूमि (अल्टाई)

(3) उष्ण शीतोष्ण प्रदेश — 1- पश्चिमी तटीय (भूमध्य सागरीय)

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Saathi

Date ___/___/___

(2) ग्रीष्मकालीन वर्षा वाले पूर्वी तटीय (चीन
(3) अंत निम्न भूमी (तूरान)
(4) पठारी प्रदेश (ईरान)

(iv) उष्ण प्रदेश — (1) पश्चिमी या उष्ण मरुस्थल (सहारा)
(2) ग्रीष्मकालीन वर्षा वाले (मानसूनी
(3) अन्तर्देशीय (सूडान)

(v) आद्रोष्ण उच्च पर्वतीय पठारी प्रदेश (तिब्बत)

(vi) आर्द्र विषुवत रेखीय निम्न भूमी प्रदेश (अमेजन)

~~व्यावहारिक~~ •

व्यवहारिक भूगोल का चिन्तन

ब्रिटेन मे व्यावहारिक भूगोल शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम हरबर्टसन ने 1890 मे किया एवं उन्होने इस पर 1998 ई० मे एक विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट प्रकाशित की जिसमे उन्होने बताया कि व्यावहारिक भूगोल के अंतर्गत भौगोलिक अध्ययन की उद्देश्य प्राकृतिक भूपृष्ठ मे मानवीय कार्य व्यापार विभिन्न प्रदेशो के ज्ञान संकलन एवं सग्रह होना चाहिए भूगोल के अध्ययन व अध्यापन मे ब्रिटेन के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना इसी कारण इसका प्रभाव राजनीति समाजसेवक धर्म प्रचारक आर्यन्ता सर्वेक्षक एवं उपनिवेश प्रशासक सभी पर पड़ता है।

भौगोलिक एकत्व — हरबर्टसन की एकमात्र ऐसे ब्रिटिश भूगोलविद् थे जिन्होने भूगोल विषय के विकास मे भूगोल के प्रशिक्षण की भूमिका स्पष्ट की भूगोल के शिक्षण प्रशिक्षण हेतु 1995 ई० अन्तर्राष्ट्रीय भूगोल सम्मेलन मे उन्होने भूगोल शिक्षा के अध्यापक प्रशिक्षण विद्यालय

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Saathi

Date __/__/____

एवं महाविद्यालय स्तर पर इसकी अध्ययन अध्यापन विधि एवं पाठ्यक्रम पर विशेष प्रकाश डालते हुए अपना लेख पढ़ा था।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, वाराणसी

02/10/20

भूगोल में पुनर्जागरण काल की मुख्य उपलब्धियों की विवेचना कीजिए—

Page No.